SHRI SATENDRA SINGH LOHIYA

Shri Satendra Singh Lohiya is an International Para swimmer.

2. Born on 6th July 1987, as a normal child in a small village in district Gata Bhind (Madhya Pradesh) Shri Lohiya suffered from diarrhea and due to improper medical treatment nerves of both legs contracted and consequently, he developed 70% permanent disability in both legs. His parents though poor, somehow, provided him with primary education in the village. He developed a keen interest in swimming during his schooling in his village. He picked up swimming in a local river and enjoyed it for hours and gradually his determination and dedication to swimming grew higher and higher.

2. It was a turning point in life of Shri Lohiya when he met Professor Dr Virendra Kumar Dabas ex (HOD) Department of Swimming at Laxmibai National Institute of Physical Education Gwalior, Madhya Pradesh. Dr Dabas helped and trained him for the International and National level Paralympics swimming. He got tough swimming training under his guidance for two years and then participated in first 10th National Paralympics Swimming Championship 2009 held at Kolkata, where he won a Bronze Medal in Free Style among 400 participant's swimmers across the country.

3. Shri Lohiya has started his journey of Open water Sea Swimming in the year 2017 where he swam 33 Km open water sea swimming feat in Arabian Sea Mumbai on 04th May 2017 from Prongs reef lighthouse to Elephanta Island. After this in 2018 he crossed the English Channel along with Para Divyang swimming team with a timing of 12 hrs and 26 minutes covering a distance of 34 km. This record is published in LIMCA Book and also in the Indian Book of Record. He also crossed the Catalina Channel Swimming California (USA) along with Para Swimming Relay Team from India in 2019 covering a distance of 36 km, did Open water Feat Relay swimming from Dharamtar to Gateway of India of 36 km in Mumbai Arabian Sea Swimming in 2021 and in 2022 crossed the North Channel International level sea swimming competition covering 36 km in Northern Ireland. He crossed the two ways English Channel Swimming 72 km (UK London) along with Swimming Team from India in 2023 covering a distance of 72 km. He participated in the 21st National Paralympic swimming championships 2021-22 at Udaipur Rajasthan and won a silver medal in 100 m Backstroke swimming and second won a silver medal in 50 m Backstroke swimming. In the 22nd National Paralympic swimming championships 2022 at Guwahati he won a Gold medal in 100 m Backstroke swimming and second won a silver medal in 50 m He has participated in 11 National Paralympics swimming championships in which he has won 23 medals including 04 Gold, 12 silvers and 7 bronze medals, he has also participated in three International Paralympic swimming championships in which he got 01 gold medal 02 silver and 01 bronze medals.

4. Shri Lohiya has completed “Divyang Empowerment Khelo Yatra” with the Tri-wheel Divyang bike from Kanyakumari to Lal Chowk Kashmir of 4320 kms covered in 19 days for awareness of Para sports & facilities by the Government for rural & PAN India. The Expedition is recognized by India Book of Records. He has been selected as the Brand Ambassador for the Assembly Election Voter Awareness Program 2018 by State Election Commission, Madhya Pradesh.

5. Shri Lohiya has received numerous Awards & Honour from the Government of India including the highest Sports Award of Madhya Pradesh State “The Vikram Award” (2014); National Award for the Empowerment of Person with Disabilities Divyanjan (2019) for recognition on outstanding performance as Best Sportsperson and the “Tenzing Norgay” National Adventure Award 2019 in recognition of excellence in water adventure sports. He is the first para swimmer from Madhya Pradesh to get this honour.

श्री सतेन्द्र सिंह लोहिया

श्री सतेन्द्र सिंह लोहिया एक अंतरराष्ट्रीय पैरा तैराक हैं।

2. 6 जुलाई 1987 को जिला गता भिंड (मध्य प्रदेश) के एक छोटे से गांव में एक सामान्य बच्चे के रूप में जन्मे श्री लोहिया अतिसार बीमारी से ग्रसित होकर और गलत इलाज के कारण उनके दोनों पैरों की नसें सिकुड़ गईं और परिणामस्वरूप, वे दोनों पैरों से स्थायी रूप से 70% विकलांग हो गए। उनके माता–पिता ने, गरीब होने के बावजूद किसी तरह उन्हें गाँव में प्राथमिक शिक्षा दिलाई। अपने गाँव में स्कूली शिक्षा के दौरान उन्हें तैराकी में गहरी रुचि हो गई। उन्होंने एक स्थानीय नदी में तैरना शुरू किया और वह घंटों तक तैराकी का आनंद उठाते। धीरे–धीरे तैराकी के प्रति उनका दृढ़ संकल्प और समर्पण बढ़ता ही गया।

2. श्री लोहिया की लक्ष्मीबाई नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिकल एजुकेशन ग्वालियर, मध्य प्रदेश में तैराकी विभाग के पूर्व (एचओडी) प्रोफेसर डॉ. वीरेंद्र कुमार डबास से मुलाकात उनके जीवन का एक महत्वपूर्ण मोड़ सिद्ध हुआ। डॉ. डबास ने उन्हें अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर के पैरालंपिक तैराकी के लिए मदद की और उन्हें प्रशिक्षित किया। उनके मार्गदर्शन में उन्होंने दो वर्ष तक कठिन तैराकी प्रशिक्षण प्राप्त किया और फिर कोलकाता में आयोजित पहली 10वीं राष्ट्रीय पैरालंपिक तैराकी चैंपियनशिप 2009 में भाग लिया, जिसमें उन्होंने देश भर के 400 प्रतिभागी तैराकों के बीच फ्री स्टाइल में कांस्य पदक जीता।

3. श्री लोहिया ने वर्ष 2017 में खुले पानी में समुद्री तैराकी की अपनी यात्रा शुरू की, जहां उन्होंने 04 मई 2017 को अरब सागर मुंबई में प्रोंग्स रीफ लाइटहाउस से एलीफेंटा द्वीप तक, 33 किलोमीटर खुले पानी में तैराकी की। इसके बाद 2018 में उन्होंने पैरा दिव्यांग तैराकी टीम के साथ 34 किमी की दूरी, 12 घंटे 26 मिनट में तय करके इंग्लिश चैनल पार किया। यह रिकॉर्ड लिम्का बुक और इंडियन बुक ऑफ रिकॉर्ड में भी प्रकाशित है। उन्होंने 2019 में भारत की पैरा स्विमिंग रिले टीम के साथ 36 किमी की दूरी तय करते हुए कैटालिना चैनल स्विमिंग कैलिफोर्निया (यूएसए) को भी पार किया और धरमतार से 36 किमी के गेटवे ऑफ इंडिया तक ओपन वॉटर फीट रिले तैराकी की। 2021 में मुंबई अरब सागर तैराकी में और 2022 में नॉर्थ चैनल अंतरराष्ट्रीय स्तर की समुद्री तैराकी प्रतियोगिता में उत्तरी आयरलैंड में 36 किलोमीटर की दूरी तय की। उन्होंने 2023 में भारत की तैराकी टीम के साथ दो तरफा 72 किमी की दूरी तय करते हुए इंग्लिश चैनल स्विमिंग 72 किमी (यूके लंदन) को पार किया। उन्होंने 2021–22 में उदयपुर राजस्थान में 21वीं राष्ट्रीय पैरालंपिक तैराकी चैंपियनशिप में भाग लिया और 100 मीटर बैकस्ट्रोक तैराकी में रजत पदक जीता और 50 मीटर में रजत पदक जीता। उन्होंने 2022 में गुवाहाटी में 22वीं राष्ट्रीय पैरालंपिक तैराकी चैंपियनशिप में 100 मीटर बैकस्ट्रोक तैराकी में स्वर्ण पदक और 50 मीटर में रजत पदक जीता। उन्होंने 11वीं राष्ट्रीय पैरालंपिक तैराकी चैंपियनशिप में भाग लिया है, जिसमें उन्होंने 04 स्वर्ण, 12 रजत और 7 कांस्य पदक सहित 23 पदक जीते हैं। उन्होंने तीन अंतरराष्ट्रीय पैरालंपिक तैराकी चैंपियनशिप में भी भाग लिया है, जिसमें उन्हें 01 स्वर्ण पदक, 02 रजत और 01 कांस्य पदक मिले हैं।

4. श्री लोहिया ने गांवों और पूरे भारत में सरकार की पैरा खेलों और सुविधाओं के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए ति–पहिया दिव्यांग बाइक से कन्याकुमारी से लाल चौक कश्मीर तक की 4320 किलोमीटर की ''दिव्यांग सशक्तिकरण खेलों यात्रा '' 19 दिनों में पूरी की है। अभियान को इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में स्थान दिया गया है। उन्हें राज्य निर्वाचन आयोग, मध्य प्रदेश द्वारा विधानसभा चुनाव मतदाता जागरूकता कार्यक्रम 2018 के ब्रांड एंबेसडर के रूप में चुना गया है।

5. श्री लोहिया को भारत सरकार से कई पुरस्कार और सम्मान प्राप्त हुए हैं जिनमें मध्य प्रदेश राज्य का सर्वोच्च खेल पुरस्कार "द विक्रम अवार्ड" (2014); सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के रूप में उत्कृष्ट प्रदर्शन के सम्मानस्वरूप दिव्यांगजन सशक्तीकरण के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार (2019) और जल रोमांच खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए "तेनजिंग नोर्गे" नेशनल एडवेंचर अवार्ड 2019 भी शामिल है। यह सम्मान पाने वाले वह मध्य प्रदेश के पहले पैरा तैराक हैं।